शास. लाल चक्रधर शाह अं. चौकी

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

सत्र - 2022

कक्षा - बी. ए. भाग - I

विषय - हिन्दी साहित्य

प्रश्न-पत्र - प्रथम

प्र. निम्न पद्यांशो में किन्ही तीन पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 21

1. दीपक दीया तेल भरि बाती दई अघट ।
पूरा किया बिहासुणा, बहुरि न आवौं अछ ।।
जाका गुरु अँधला चेला खरा निरंध ।
अंधा-अंधा ठेल्या दून्यो कूप पडंत ।।

2. चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा । साजा बिरहु दुंद दल बाजा ।
धूम, साम, धौरे घन धाये । सेत धजा बग-पाँति देखाये ।।
खड़ग-बीजु चमकै चहुँ ओरा । बुँद-बान बरसहिं घन घोरा ।।
ओनई घटा आइ-चहुँ फेरी । कंत, उबारु मदन हौं घेरी ।।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ । गिरैं बीजु घर रहै न जीऊ ।।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा । हौं बिनु नाह मंदिर को छावा ।।
अद्रा लागि लागि मुहँ लेई । मोहि बिनु पिऊ को आदर देई ।।
जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारा औ गर्व ।
कंत पिआरा बाहिरैं, हम-सुख भूला सर्व ।।

3. पथिक ! संदेसो कहियो जाय ।
आवेंगे हम दोनों भैया, भैया जनि अकुलाय ।।
याको विलग बहुत हम मान्यो जो कहि पठयो धाय ।
कहैलों कीर्ति मानिए तुम्हरी बड़ो कियो पय ल्याय ।।
कहियो जाय नंद बाबा सों, अरु गहि पकर्यो पाय ।
दोऊ दुखी होन नहि पावहिं धूमरी धौरी गाय ।।
यद्यपि मथुरा विभव-बहुत है तुम बिनु कछु न सुहाय ।
सुरदास ब्रजवासी लोगनि भेंटत हृदय जुड़ाय ।।

4. विजय नाम राच्छसी एका । राम चरन रति निपुन विवेका
सबन्हौं बोलि सुनाएसि सपना सीतहि सेह करहु हित अपना
सपने बानर लंका जारी । जातुधान सेना सब मारी ।
खर आरूढ़ नगन दससीहा । मुंडित सिर खंडित भुज बीसा ।।
एहि विधि सो दक्षिन दिसि जाहि । लंका मनहुँ विभीषण पाई ।
नगर फिरी रघुबीर दोहाई । तब तक सीता बोलि पठाई ।।
यह सपना मैं कहऊँ पुकारी । होइहि सत्य गए दिन चारी ।
तासु वचन सुनि ते सब डरी । जनक सुता के चरनन्हि परी ।
जहँ तहँ गई सकल तब सीता कर मन सोच ।।
मास दिवस बीते मोहि मारिहि निसिचर पोच ।।

प्रश्न 2 :- कबीर को समाज सुधारक कहा जाता है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

नागमती के वियोग वर्णन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3 :- सुरदास के भ्रमरगीत की समीक्षा कीजिए? 15

अथवा

तुलसीदास के काव्यगत विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4 :- किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :-

I. विद्यापति भक्त अथवा श्रृंगार कवि 12
II. रसखान की काव्य कला
III. रहीम की काव्य कला
IV. प्रेममार्गी काव्य धारा

प्रश्न 5 :- निम्न किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- 12

I. कबीर के रचना का नाम लिखिए।
II. कबीर के गुरु का नाम लिखिए।
III. तुलसीदास के बचपन का नाम लिखिए।
IV. तुलसीदास के किन्हीं एक रचना का नाम लिखिए।

v. भक्ति काल के किसी एक कवि का नाम लिखिए।

vi. अष्टछाप के किसी एक कवि का नाम लिखिए।

vii. सूरदास के किसी एक रचना का नाम लिखिए।

viii. मलिक मोहम्मद जायसी ने कौन सा महाकाव्य लिखा।

ix. सूरदास किस काव्यधारा के कवि थे।

x. रसखान के बचपन का नाम बताइये।

xi. रामचरित मानस किसने लिखा।

xii. हीरामन तोता कहाँ का निवासी था।

xiii. जायसी का पूरा नाम क्या था।

——— x ——— x ———